सद्गुरु-रहस्य

लेखक

कुमार कौशलेन्द्रप्रताप साहि, रायबहादुर

(दिआरा राज)

बहे बहाये जात थे, लोक वेद के साथ।
पैंडा में सतगुरु मिले, दीपक दीन्हा हाथ॥

कबीर

प्रकाशक

हिन्दी-मन्दिर, प्रयाग

मूल्य लागतमात्र, ढाई रुपया